University of Mumbai

No. UG/ 42 of 2019-20

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the Affiliated Colleges, the Head of the University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty is invited to this office Circular No. UG/271 of 2017-18, dated 26th October, 2017 relating to the revised syllabus for the Post Graduate Diploma Course in Translation.

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 27th February, 2019 have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 15th April, 2019 **vide** item No. 4.4 and that in accordance therewith, the revised syllabus of Post Graduate Diploma Course in Translation in Hindi, has been brought into force with effect from the academic year 2019-20, accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

MUMBAI – 400 032
9th July, 2019

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

To

The sPrincipals of the affiliated Colleges, the Head of the University Departments and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C./4.4/15/04/2019

****

No. UG/42 -A of 2019-20 MUMBAI-400 032 9th July, 2019

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The I/c Dean, Faculty of Humanities,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning (IDOL),
5) The Director, Board of Students Development,
6) The Co-ordinator, University Computerization Centre,

(Dr. Ajay Deshmukh)
REGISTRAR

AC- 15/04/2019
Item No.- 4.4

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised syllabus of Post Graduate Diploma Course in Translation

(with effect from Academic Year 2019-20)

मुंबई विश्वविद्यालय

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर अनुवाद पदविका पाठ्यक्रम - हिंदी

(Post Graduate Translation Diploma - Hindi)

प्रस्तावना (Introduction) : स्नातकोत्तर अनुवाद पदविका पाठ्यक्रम- हिंदी भारतीय भाषाओँ और अंगरेजी से अनुवाद की तकनीक सिखाने के उद्देश्य को लेकर तैयार किया गया है. भारत जैसे बहुभाषिक राष्ट्र में अनुवाद का ज्ञान अनिवार्य है. वर्तमान दौर में हमारी राष्ट्रीय विविधता और हिंदी के विश्व स्तर पर फैल रहे स्वरूप को देखते हुए अनुवाद का आधारभूत ज्ञान आज की आवश्यकता है. मुंबई महानगर में भारत सरकार के तमाम प्रतिष्ठानों और अनेक बैंकों के प्रधान कार्यालय हैं. इसके साथ ही देश की वाणिज्यिक राजधानी होने के कारण बहुराष्ट्रीय निगमों और निजी क्षेत्र की कंपनियों के भी महत्त्वपूर्ण कार्यालय मुंबई में हैं. यहाँ अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की अकूत संभावनाएं हैं और हिंदी के वैश्विक प्रसार को देखते हुए इस प्रकार के पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया जा रहा है.

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Objectives of Syllabus) :

1. अनुवाद का आधारभूत ज्ञान देना.
2. अनुवाद के विविध क्षेत्रों और उसके अनुप्रयोग के प्रति समझ विकसित करना.
3. साहित्य और भाषा के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना.
4. अनुवाद के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी देना.
5. इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अनुरूप कौशल विकास करना.
6. अनुवाद के व्यवहारिक पक्ष का ज्ञान देना.

योग्यता (Eligibility) : स्नातक (Graduation)

अवधि (Duration) : एक वर्ष (One Year)

माध्यम (Medium) : हिंदी (Hindi)

प्रवेश शुल्क (Admission Fees) : रु. **9000/-** (**परीक्षा शुल्क** रु.1000/- अतिरिक्त)

पाठ्यक्रम (Syllabus) : स्नातकोत्तर अनुवाद पदविका पाठ्यक्रम- हिंदी कुल 400 अंकों का होगा. इसमें कुल 24 श्रेयांक होंगे. यह पाठ्यक्रम कुल 100 घंटे का होगा. कक्षाएं शनिवार को होगी. कक्षा में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है. इसके अंतर्गत तीन सैद्धांतिक प्रश्नपत्र और एक व्यवहारिक प्रश्नपत्र जिसमें प्रकल्प और मौखिकी का समावेश होगा. कुल पाठ्यक्रम 28 श्रेयांक का होगा. विस्तृत पाठ्यक्रम इस प्रकार है...

प्रश्नपत्र एक - अनुवाद : स्वरूप, सिद्धांत और प्रविधि

(Translation: Definition, Theory and technique) **श्रेयांक 06**

इकाई एक - अनुवाद का स्वरूप विश्लेषण

1.1 अनुवाद - अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

1.2 अनुवाद के क्षेत्र

1.3 अनुवाद प्रविधि

1.4 अनुवाद का महत्त्व

1.5 अनुवाद का परिदृश्य

1.6 अनुवाद के उपकरण

1.7 अनुवाद की प्रक्रिया

इकाई दो - अनुवाद के प्रकार

2.1 शब्दानुवाद और भावानुवाद
2.2 कार्यालयीन अनुवाद
2.3 आशु अनुवाद
2.4 यांत्रिक अनुवाद
2.5 साहित्यिक अनुवाद
2.6 वाचिक अनुवाद और नव माध्यम

इकाई तीन - अनुवाद की समस्याएँ

3.1 शब्दानुवाद और भावानुवाद की समस्या
3.2 साहित्यिक अनुवाद की समस्या
3.3 सांस्कृतिक अनुवाद की समस्या
3.4 प्रशासनिक और कार्यालयीन अनुवाद की समस्या
3.5 मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्या
3.6 विधि, विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुवाद की समस्या

इकाई चार - अनुवाद के सिद्धांत

4.1 समतुल्यता का सिद्धांत
4.2 अंतर प्रतीकात्मकता का सिद्धांत
4.3 अनुवाद युक्ति सिद्धांत
4.4 व्याख्या सिद्धांत
4.5 प्रभाव समता सिद्धांत
4.6 अनुकृति सिद्धांत

प्रश्नपत्र दो - अनुवाद के विविध अनुप्रयोग

(Various Application of Translation) **श्रेयांक 06**

इकाई एक - वित्त, बैंकिंग और वाणिज्य के क्षेत्र में अनुवाद

1.1 वित्तीय एवं बैंकिंग शब्दावली
1.2 वाणिज्यिक शब्दावली
1.3 बैंकों में प्रयुक्त संक्षिप्तियां, पत्र व्यवहार, प्रतिवेदन, विज्ञापन, विपणन लेखन
1.4 वाणिज्यिक में प्रयुक्त संक्षिप्तियां, पत्र व्यवहार, प्रतिवेदन, विज्ञापन, विपणन लेखन
1.5 बैंकिंग अनुवाद की समस्याएं
1.6 वाणिज्यिक अनुवाद की समस्याएं

इकाई दो - सरकारी कार्यालयों में अनुवाद

2.1 सरकारी कार्यालयों की पारिभाषिक शब्दावली
2.2 रेलवे में अनुवाद
2.3 व्यापार, पर्यटन और उद्योग जगत में अनुवाद
2.4 गृह एवं विदेश विभाग में अनुवाद
2.5 मानव संसाधन विकास विभाग में अनुवाद
2.5 महारत्न कंपनियों में अनुवाद
2.6 रक्षा विभाग में अनुवाद
2.7 केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो और अनुवाद

इकाई तीन - विज्ञान और प्रोद्योगिकी में अनुवाद

3.1 विज्ञान की पारिभाषिक शब्दावली
3.2 प्रोद्योगिकी की पारिभाषिक शब्दावली
3.3 विज्ञान और प्रोद्योगिकी और अनुवाद
3.4 विज्ञान में अनुवाद की पद्धति और कठनाइयां
3.5 प्रोद्योगिकी में अनुवाद की पद्धतियां और कठनाइयां
3.6 विज्ञान में अनुवाद की पद्धतियां और कठनाईयां

इकाई चार - समाज विज्ञान एवं मानविकी में अनुवाद

4.1 समाज विज्ञान की पारिभाषिक शब्दावली
4.2 मानविकी की पारिभाषिक शब्दावली
4.3 समाज विज्ञान की अनुवाद पद्धति
4.4 मानविकी और अनुवाद पद्धति
4.5 समाज विज्ञान के अनुवाद की समस्याएँ
4.6 मानविकी के अनुवाद की समस्याएँ

इकाई पांच - यांत्रिक/ मशीनी अनुवाद

5.1 यांत्रिक/मशीनी अनुवाद की अवधारणा
5.2 यांत्रिक/मशीनी अनुवाद की आवश्यकता और उपादेयता
5.3 यांत्रिक/मशीनी अनुवाद की प्रक्रिया और स्थिति
5.4 यांत्रिक/मशीनी अनुवाद के उपकरण
5.5 यांत्रिक/मशीनी अनुवाद की संभावनाएँ
5.6 यांत्रिक/मशीनी अनुवाद की समस्याएँ

प्रश्नपत्र तीन - साहित्य, भाषा और अनुवाद

(Literature, Language and Translation) **श्रेयांक 06**

इकाई एक - साहित्य और अनुवाद

1.1 साहित्यिक शब्दावली
1.2 सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद
1.3 साहित्यिक अनुवादक के गुण
1.4 कथा साहित्य का अनुवाद
1.5 कविता का अनुवाद
1.6 नाट्यानुवाद
1.7 साहित्य की अन्य विधाएँ एवं अनुवाद

इकाई दो - हिंदी भाषा और अनुवाद

2.1 हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
2.2 हिंदी के विविध रूप और अनुवाद
2.3 कोशों के विविध रूप और अनुवाद
2.4 पारिभाषिक शब्दों का अनुवाद
2.5 वाक्यांशों का अनुवाद
2.6 मुहावरों, लोकोक्तियों और अवतरणों का अनुवाद

इकाई तीन - विज्ञापन और अनुवाद

3.1 विज्ञापन की अवधारणा
3.2 अनुवाद और विज्ञापन
3.3 हिंदी में अनूदित विज्ञापन
3.4 विज्ञापन अनुवाद की प्रक्रिया
3.5 विज्ञापन अनुवाद की समस्याएँ
3.6 विज्ञापन अनुवाद की संभावनाएँ

इकाई चार - अनुवाद संपादन और मूल्यांकन

4.1 अनुवाद और पुनरीक्षण
4.2 अनुवाद और अशुद्धि संशोधन
4.3 अनुवाद और मूल्यांकन
4.4 अनुवाद एवं मानकीकरण
4.5 अनुवाद और संपादन
4.6 अनुवाद का अंतिम रूप

प्रश्नपत्र चार - अनुवाद परियोजना (Project)

श्रेयांक 10

इस प्रश्न पात्र में संबंधित निर्देशक के निर्देशानुसार प्रत्येक विद्यार्थी को लगभग 60-80 पृष्ठों का हिंदी में अनुवाद कार्य करना अनिवार्य है. इस कार्य को पाट्यक्रम के अंत में परीक्षण हेतु प्रस्तुत करना होगा. अनुवाद कार्य परिक्षण हेतु सजिल्द टंकित रूप में प्रस्तुत किया जायेगा साथ ही एक सी.डी. में पीडीएफ और वर्ड फाइल भी जमा करनी होगी. टंकण के लिए यूनिकोड फॉण्ट का प्रयोग करते हुए आकर 14 का तथा अन्तराल 1.5 रखना होगा.

यह परियोजना कुल 100 अंकों की होगी. अनुवाद कार्य के लिए 70 अंक निर्धारित हैं. अनुवाद कार्य जमा करने के बाद शिक्षार्थी को मौखिक परीक्षा देनी होगी. मौखिक परीक्षा के लिए 30 अंक निर्धारित हैं. अनुवाद कार्य के परीक्षण और मौखिकी के लिए हिंदी के विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा. एक विद्वान् अधिकतर 10 विद्यार्थियों का परीक्षण/मूल्यांकन कर सकता है.

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) –

स्नातकोत्तर अनुवाद पदविका पाठ्यक्रम-हिंदी में उत्तीर्ण होने के लिए के लिए प्रत्येक प्रश्नपत्र में 40 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है.

प्रश्नपत्र एक - 80 अंक सैद्धांतिक मूल्यांकन और 20 अंक आतंरिक मूल्यांकन (प्रस्तुतीकरण).

प्रश्नपत्र दो - 80 अंक सैद्धांतिक मूल्यांकन और 20 अंक आतंरिक मूल्यांकन (प्रस्तुतीकरण).

प्रश्नपत्र तीन - 80 अंक सैद्धांतिक मूल्यांकन और 20 अंक आतंरिक मूल्यांकन (प्रस्तुतीकरण).

सैद्धांतिक मूल्यांकन में -

दीर्घोत्तरी प्रश्न - छः में से तीन **60** अंक
टिप्पणियाँ - चार में से दो **10** अंक
एक वाक्य में उत्तर - 05 प्रश्न **05** अंक
बहुपर्यायी प्रश्न - 05 प्रश्न **05** अंक

सहायक ग्रंथ सूची -

1. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्राविधि - भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गोस्वामी
3. पत्रकारिता में अनुवाद - भोलानाथ तिवारी, जितेंद्र गुप्त, शब्दकार प्रकाशन, नई दिल्ली
4. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएँ - डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन,नई दिल्ली
5. विदेशी भाषाओँ से अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, नरेश कुमार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विधि अनुवाद : विविध आयाम - कृष्ण गोपाल अग्रवाल, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी भाषा की संरचन - डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. साहित्यानुवाद की समस्याएँ - रामप्रकाश कुलश्रेष्ठ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
9. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन

****